



# Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03





Exotic 301



Exotic 302



Exotic 303



Exotic 304



Exotic 305



Exotic 306

**S4U**<sup>TM</sup>  
by  
SHIVALI

*Exotic*

LOVELY & LAVISH VOL: 03



**S4U**<sup>TM</sup>  
SHIVALI



Exotic 302



S4U<sup>TM</sup>  
by  
SHIVALI



Exotic 305





Exotic 301



Exotic 302



Exotic 303



Exotic 304



Exotic 305



Exotic 306

**S4U**™  
by  
SHIVALI

**Exotic**  
LOVELY & LAVISH VOL: 03



**S4U**  
by  
SHIVALI



Exotic 301





# Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03



S4U  
SHIVALI



Exotic 306

संन्यः "कुविभारदय क  
। वार्तो चतुर्विधा तत्र य  
ब्रजराजं प्रति श्रीकृष्णवचने तथेवा-  
गो-विण्णेशि श्रीभाककन-गोपवासवर्गिने







S4U<sup>TM</sup>  
By  
SHIVALI



Exotic 305



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

**S4U**<sup>TM</sup>  
by  
SHIVALI



Exotic 303







S4U  
SHTVALLI



Exotic 306

संन्यः कृषिभारदक्षक  
। यार्ता चतुर्विधा तत्र य  
ब्रजराजं प्रति श्रीकृष्णदत्तने तथेवा-  
गो-विणोति श्रीभाऊजन-गोपवासवर्णिने



**S4U**  
by  
SHIVALI



Exotic 301





# Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03



S4U<sup>TM</sup>  
by  
SHIVALI



श्रीगुरुकृत गोपवातपरिणे  
वचर(लायामणि विदुस्व ज्ञेवे"दिव्यारभ्यः  
आवहारश्रवणोपविर्दे वलि-तुर्गमुच्यते । नलि-तुर्गमुच्यते । नलि-तुर्गमुच्यते ।  
ये गोरक्षय वाणिज्यं कुसीदं मिश्रा"मिति कुसीदं मिश्रा"मिति कुसीदं मिश्रा"मिति  
मुनिव्या तत्र त्रयं गोवृत्तयो-

Exotic 304



S4U<sup>TM</sup>

SHIVALI



Exotic 302





# Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03